राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम : पर्यावरण विज्ञान
पाठ 19 : दीघ्रोंपयोगी विकास की संकल्पना
कार्यपत्रक - 19

1 क्या आप सोचते है कि हमारा औद्योयोगिक और आर्थिक विकास प्राकृतिक संसाधनों का बिना नष्ट/समाप्त किए हुए कर सकते है? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिये।

2 हमें पुनः यह सोचने की जरूरत क्यों है कि विकास बिना विनाश के होना चाहिए? वर्णन कीजिये।

3 क्या होगा जब पर्यावरण को उसके वहन (धारण) क्षमता से ज्यादा दोहन किया जाए?

4 "ऐसा विकास जिससे न केवल वर्तमान की आवश्यकताएँ पूरी होती है बल्कि आगामी पीढ़ियों की आवश्यकताओं की भी पूर्ति पूरी होती है।" इस कथन का वर्णन दीघ्रोंपयोगी विकास के संदर्भ में कीजिये।

5 पर्यावरणीय सततीय समाज की कुछ विशेषतायों के बारे में सुझाव दीजिये ।

6 गांधीजी के पर्याप्तता के सिद्धांत का वर्णन कीजिये।

7 हमें भविष्य के लिए संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन की आवश्यकता क्यों पड़ी है?

8 पारिस्थितिकी फुट प्रिंट के लाभ लिखिए। पारिस्थितिकी फुट प्रिंट की आवश्यकता क्यों पड़ी है?

9 आप किस प्रकार गरीबी को किस तरह से प्राकृतिक संसाधनों की असततता से जोड़ सकते हैं?

10 आजकल हर जगह एक वाक्यांश प्रचलित हो रहा है -" "वैश्विक पैमाने की सोच व स्थानीय पैमाने पर कार्यशीलता"". आप वर्तमान परिपेक्ष्य में इसे कैसे जोड़ सकते हैं? कारण सहित वर्णन कीजिये।